क्रमांक 508-ज(I)-81/25480.—पूर्वी पंजाव युद्ध पुस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संगोधन किया गया है) की बारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्य एन श्री वुबराम. पुल श्री सीहन राम, गांव रामनवास, तहसीन दादरी, जिला मि वानी को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 रहा 15) हो विविध विविध परित तथा रवी. 1930 में 300 युविक कीमर वानी युद्ध जागीर सनद में दी गयी शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 208-त(1)-81/25484.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संजीवन किया गया है। की धारा 2(ए) 1(ए) तथा 3(ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्य गल आंनती माम हीर. विजया आ चार्या राम, ग्राम जुई, तहसीज व जिला भिमानी को खरीक, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 हपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 हपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कर्माक 1167-ज(1)-81/25488.--पूर्वी पंजाव युद्ध पुरस्कार ग्रिधिनयम, 1948 (जैसा कि उसेहरियाणा राज्य में ग्रानामा गया है और उसमें ग्रान तक संभोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3 (1ए) के ग्रनुसार सौंपे गए ग्रिजिकारों का प्रयोग करने हुए हरियाणा के राज्यमाल श्री बदलू राम, पुत्र श्री हरनारायण, ग्राम रामगढ़, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ को खरीक, 1965 से रवी. 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीक, 1970 से खरीक, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रवी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के ग्रनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कर्ना 1035-ज ो ) -81/25492,-- पूर्वी पंताव युद्ध गुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) कि धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सींपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमही चमेली देवी बिध्या श्री बखतावर सिंह, ग्राम खलेटा, तहमील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1969 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीफ, 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980, से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई जनों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

कमांक 250-ज(I)-81/25496.—श्री बेग राज पुत्र श्री मुख राम. गांव नांगल सिरोही, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 21 जुलाई, 1979 को हुई मृत्यु के परिणामस्याध्य हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अवनाया श्राया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बेगराज को मुबलिंग 150 कपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना कमांक 18127—जे.एन.—[II-66] 20381 दिनांक 30 मितम्बर, 1966 तथा अधिसूचना कमांक 5041—आर-III-70/29505. दिनांक 8 सितम्बर, 1970 हार' मन्तूर की गई थी, अब उसकी विजया श्रीमती नाथी देवी के नाम रबी, 1980 से 300 स्पये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अवार्गत प्रदान करते हैं।

कमांक 283-ज-[[-8]/25500.--पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम. 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक मंजीवन किया गया है ) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यगंत में दर ठंडीराम (रिट'यर्ड) युज्ज श्री गंगा बिशन गांव नहता. तहसील व जिला हिसार को रबी, 1973 से खरीक 1979 तक 150 घाये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 छ्यये वार्षिक कीमन वाली युद्ध जागीर सपद में दी गई शर्ती के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 471-ज([)-81/2550 1.--प्वीं पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रधिनियम, 1948 जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें ब्राज तक संगोधन किया गया है की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के ब्रनुसार सीपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए ह्रियाणा के राज्यपाल श्री राष्ट्रीर सिंह पुत्र श्री रिखन ल. गांव सिनारपुर तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की रबी, 1976 से खरीक 1979 तक 150 रुपये वापि ह तथा रबी. 1980 से 300 रुपये वापिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्ती के ब्रनुसार सहुष प्रदान करते हैं।